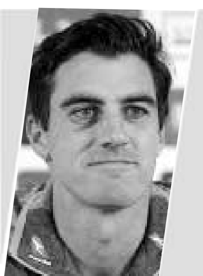

भारत के पास एक अच्छी गेंदबाजी लाइनअप हैं, खासकर यहां घरेलू परिस्थितियों में। इसलिए, वे चुनौती पेश करेंगे मगर अच्छी बात यह है कि हमने उन्हें बहुत खेला है। -पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, भारत के विरुद्ध होने वाले मुकाबले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नीरज चोपड़ा**

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के पास खिताबों की भरमार है लेकिन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी का मानना है कि वह अभी तक अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाये हैं। उनका लक्ष्य 90 मीटर की दूरी तय कर लगातार इसे हासिल करना है। वह अगले साल के पेरिस खेलों के लिए तैयार हैं। हरियाणा के 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में अधिकांश समय कमर में खिंचाव के बाद भी अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता। वह सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

एशियाई खेल : भारत ने एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 स्वर्ण सहित 107 पदक जीते

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले एक पखवाड़े में अपने खून, पसीने और कड़ी मेहनत से एशियाई खेलों में 107 पदकों के जादुई आंकड़े को छूकर देश को समय से पहले दिवाली का तोहफा देने के साथ 2024 के पेरिस ओलंपिक में अब तक की सबसे अच्छे प्रदर्शन का भरोसा दिया।

भारतीय खिलाड़ियों की स्पर्धाएं शनिवार को समाप्त हो गयी। रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन निर्धारित कुछ स्पर्धाओं में देश का कोई भी एथलीट मैदान में नहीं है। भारतीय खिलाड़ियों ने हांगझोउ में 107 पदक के साथ नया रिकॉर्ड कायम किया। खिलाडियों के जहन में यह आंकड़ा कम से कम 2026 में जापान के आइची-नागोया में होने वाले अगले खेलों तक जरूर रहेगा। भारतीय खिलाड़ियों ने 2018 में इंडोनेशिया में 70 पदक जीते थे लेकिन हांगझोउ में उन्होंने बड़ा सुधार करते हुए 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते। भारत को सबसे ज्यादा आश्चर्यचकित एथलेटिक्स के परिणाम ने किया। भारतीय एथलीटों ने अपने अभियान के आखिरी दिन 12 पदक जीते जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक है। कुश्ती में बजरंग पूनिया ने निराश किया तो वहीं बैडमिंटन के पुरुष युगल में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रशंसकों को खुश किया।

एशियाई खेलों में पदक की स्थिति

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	197	108	70	375
जापान	49	63	68	180
दक्षिण कोरिया	39	58	89	186
भारत	28	38	41	107
उज़्बेकिस्तान	21	18	31	70
चीनी ताइपे	18	19	28	65
ईरान	13	21	19	53
थाईलैंड	12	14	31	57
बहरीन	12	3	5	20
उत्तर कोरिया	11	18	10	39

14वें दिन भारत की पदक विजेता सूची

1. ज्योति सुरेखा वेन्नम महिला कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
2. ओजस देवताले पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
3. अभिषेक वर्मा पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी रजत
4. अदिति स्वामी महिला कंपाउंड तीरंदाजी कांस्य
5. कबड्डी महिला टीम स्वर्ण
6. कबड्डी पुरुष टीम स्वर्ण
7. एस. रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी बैडमिंटन पुरुष युगल स्वर्ण
8. हॉकी महिला टीम कांस्य
9. क्रिकेट पुरुष टीम स्वर्ण
10. शतरंज पुरुष टीम रजत
11. शतरंज महिला टीम रजत
12. दीपक पूनिया फ्रीस्टाइल कुश्ती (86 किग्रा) रजत

कबड्डी में पुरुष और महिला टीमों ने जकार्ता में निराशा झेलने के बाद वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीते। युवा तीरंदाज ओजस देवताले और अभिषेक वर्मा ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण-रजत पदक हासिल किया। तीरंदाज ज्योति वेन्नम ने भी देश की प्रतियोगिता के अंतिम दिन अपना स्वर्णिम क्षण बिताया। व्यक्तिगत महिला कंपाउंड स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल कर उन्होंने इस खेल की महाशक्ति दक्षिण कोरिया को दिखाया कि भारत अब उनकी बराबरी कर रहा है। पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने दिन के अंत में देश को दो रजत पदक दिलाये जिससे भारत चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद चौथे स्थान पर है। भारत के चौथे स्थान पर बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि पांचवें स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान के पास भारत के 28 की तुलना में 20 स्वर्ण हैं। निशानेबाजों (22) और ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों (29 पदक) से भी भारत की झोली में 51 पदक आ गये। भारतीय दल ने कई अप्रत्याशित पदक भी जीते जिसमें महिला टेबल टेनिस टीम का कांस्य (सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी) शामिल है । पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में आखिरी 30 मीटर में कमाल करके स्वर्ण जीत लिया । भाला फेंक में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण और किशोर जेना ने रजत पदक जीता। केनोइंग में अर्जुन सिंह और सुनील सिंह ने ऐतिहासिक कांस्य जीता।

कबड्डी : बेटियों ने भारत को दिलाया ऐतिहासिक सौंवा पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुक़ाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के 72 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने पदकों की सेंचुरी पूरी की है। इसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल है। इस बार एथलेटिक्स में प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है जिसमें अकेले भारत को 29 पदक मिले हैं जबकि शूटिंग में भारत के खाते में 22 पदक आये हैं।

महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरुआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया, हालांकि रेडिंग विभाग में भारत ने उन्हें पछाड़ दिया।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इससे पहले हांगझोउ 2010 और इंचियोन 2014 में गोल्ड मेडल जीता था जबकि जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में टीम को ईरान के ख़िलाफ़ हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पुष्पा राणा और पूजा हाथवाला ने भारत के लिए रेड की शुरुआत की। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी के ग्रुप स्टेज मुक़ाबलों में भारत ने चीनी ताइपे के ख़िलाफ़ पहला मैच ड्रॉ (34-34) खेला, और उसके बाद दक्षिण कोरिया (56-23) और थाईलैंड (54-22) को हराया था।

जापान को हराकर भारत ने जीता कांस्य पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में जापान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। भारतीय महिलाओं ने एशियाई खेलो में चौथी बार हॉकी के कांस्य पदक पर कब्जा जमाया है। इससे पहले भारत ने 1986, 2006 और 2014 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला हॉकी टीम ने 1982 में नई दिल्ली में खेले गये एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीता था जबकि 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले गये एशियन गेम्स में भारत के हाथ चांदी लगी थी।

कांस्य पदक मुकाबले के पांचवे मिनट में दीपिका ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी मगर जापान की युरी नागाई ने 30वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर से गोल करके हिसाब बराबर कर दिया। इस बीच भारत ने जापान पर जबरदस्त आक्रमण किये मगर रक्षा पंक्ति ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। सुशीला चानू ने आखिरकार 50वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर से एक और गोल कर स्कोर को 2-1 कर दिया जो अंत तक बरकरार रहा। इसके साथ ही भारत ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स का बदला भी पूरा कर लिया जहां फाइनल में जापान ने भारत को 2-1 से हराया था ।

वर्षा बाधित मुकाबले में भारत के हाथ आया गोल्ड

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। एशियन गेम्स में पहली बार शिरकत कर रही भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को वर्षा के कारण रद्द किये गये मुकाबले में बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि अफगानिस्तान की टीम को रजत पदक पर संतोष करना पड़ा।टॉस जीत कर भारत ने अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाये थे कि तेज बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इस बीच मैदान पर वर्षा की रफ्तार कम नहीं हुयी और मैदानी अंपायरों ने मैच को रद्द घोषित कर दिया। भारत को रद्द मैच में बेहतर आईसीसी रैंकिंग का लाभ मिला और उसे स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से और क्वार्टरफाइनल में नेपाल को 23 रनों से हराया था। उधर कांस्य पदक मुकाबले में बांग्लादेश ने डीएलएस पद्धित के आधार पर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। वर्षा के कारण ओवरों की संख्या घटाकर पांच-पांच कर दी गयी थी। बांग्लादेश ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर 65 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम पांच ओवर में एक विकेट पर 48 रन ही बना सकी।

राजधानी

मुख्यमंत्री और कांग्रेस ने मान लिया कि योजनाएं चुनाव नहीं जिता सकती

जिन योजनाओं का बखान हो रहा था, उनके बजाय अब जातिगत समीकरण महत्वपूर्ण हो गए कांग्रेस के लिए

- **यही कारण है कि जातिगत जनगणना का सिगूफा छोड़ा गया है, वहीं मुख्यमंत्री हर जाति का अलग बोर्ड बनाने की घोषणाएं कर रहे हैं**
- **यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री गहलोत ओबीसी के घोषित नेता होने के बावजूद इन जातियों को कभी कांग्रेस से नहीं जोड़ पाए हैं**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में राज्य सरकार की ओर से जो योजनाएं चलाई जा रही है उनका प्रचार कांग्रेस दम लगाकर कर रही है, लेकिन कांग्रेस की शायद यह बात समझ गई है कि इन योजनाओं के नाम पर चुनाव नहीं जीते जा सकते, इसलिए अब कांग्रेस का ध्यान पूरी तरह जातिगत जनगणना और जातियों के बोर्ड बनाने पर लगा हुआ है। यही कारण है कि पिछले तीन दिन के दौरान ही 11 से ज्यादा जातिगत बोर्ड बनाए गए हैं।

दरअसल राजस्थान की सरकार पिछले 6 महीने के दौरान जिस तरह से दनादन राजस्थान की जनता के लिए योजना बना रही थी। उनमें कहीं मोबाइल बांटने की योजना, फ्री राशन की योजना, फ्री बिजली की योजनाएं आदि। इसके बावजूद राजस्थान की सरकार को यकीन नहीं है कि यह योजनाएं उसे चुनाव जितवा सकती है, जबकि कांग्रेस के तमाम नेता यह कहते नहीं थकते कि इस बार जो हमारी योजनाएं हैं, उनका तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। दरअसल इतनी सारी योजनाओं का बखान करने के बावजूद जिस तरह से मंत्री विधायकों का उनके क्षेत्र में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है और वही जनता की ओर से योजनाओं के बावजूद कांग्रेस नेताओं को अच्छा रिस्पांस नहीं मिल रहा है। यह देखकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी नेताओं को समझ आ गया है कि सिर्फ योजनाओं के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता।

यही कारण है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत किसी भी जाति को नहीं छोड़ना चाहते जिसका कि बोर्ड गठित नहीं हो पाए। अब जातिगत जनगणना का नया सिगूफा भी मुख्यमंत्री की ओर से छोड़ा गया है कि अगर कांग्रेस की सरकार रिपीट हुई, तो राजस्थान में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। वहीं इससे पहले ही चुनाव के मुहाने पर जब आचार संहिता लगने में एक-दो दिन बाकी हैं, उससे पहले ही राजस्थान में जातियों के बोर्ड गठित किया जा रहे हैं, जबकि यह तमाम जातियां एससी, एसटी या ओबीसी में आती है। इनके पहले से ही बोर्ड, निगम या आयोग बने हुए हैं। इसके बावजूद अब हर जाति का अलग-अलग बोर्ड गठित किया जा रहा है। यानी कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो दावे करते थे कि योजनाओं के नाम पर हम चुनाव जीतेंगे। हमने इतनी योजनाएं दी हैं, लेकिन अब उन्हें भी यकीन नहीं है कि यह योजनाएं कांग्रेस को वोट दिलाने में सक्षम है। ऐसे में अब पूरा चुनाव जातिगत जनगणना और जातियों के बोर्ड बनाकर उनके वोट हासिल करने की ओर घूम गया है। वैसे तो खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ओबीसी से आते हैं और ओबीसी का झंडा लेकर ही वह कांग्रेस में बड़े नेता बने हुए हैं, इसके बावजूद ओबीसी की मूल जातियों का वोट बीजेपी को मिलता रहा है और सिर्फ वोट की बात ही नहीं है, बल्कि राजस्थान में मूल ओबीसी की छोटी जातियों के विधायक भी कांग्रेस के बजाय भाजपा के टिकट पर ज्यादा जीतकर आते रहे हैं। यही कारण है कि राज्य की मूल ओबीसी की जातियां और सवर्ण वर्ग भाजपा के पुख्ता वोटर बने हुए हैं। अब कांग्रेस बोर्ड बनाकर विभिन्न जातियों को बांटने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या यह प्रयास सफल होगा, जातियां भाजपा को छोड़कर कांग्रेस के साथ आएंगी, यह देखना मजेदार होगा।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से स्वीकृति के बाद शनिवार को राजस्थान राज्य राजा बली कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य वाल्मिकी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य मेघवाल कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य पुजारी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य कल्याण (मां पूरी बाई कीर) बोर्ड, राजस्थान राज्य जाटव कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य धाणका कल्याण बोर्ड व राजस्थान राज्य चित्रगुप्त कायस्थ कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा की गई हैं। सभी बोर्ड संबंधित वर्गों की स्थिति का जायजा लेने, प्रमाणिक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर वर्गों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके पिछड़ेपन को दूर करने के सुझाव राज्य सरकार को देंगे।

बागड़ा ब्राह्मण समाज भवन के लिये 21 लाख रुपये स्वीकृत

जयपुर। जयपुर में 18 अगस्त 2019 को आयोजित किये गये अखिल भारतीय बागड़ा ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान सम्मान समारोह में बागव ऋषि भवन, गोनेर (जयपुर) में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु विधायक कोष से स्वीकृति जारी करने की विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष, भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया से मांग की गई थी, बागड़ा समाज ने सतीश पूनिया से कहा था कि आप विधायक कोष से 21 लाख रुपये की अनुशंसा कर दीजिये हम स्वीकृत करवा देंगे, जिस पर सतीश पूनियां ने तत्काल अमल करते हुये 30 सितंबर 2019 को विधायक कोष से 21 लाख रुपये की अनुशंसा कर दी थी। बागड़ा समाज द्वारा गोनेर में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु विधायक सतीश पूनियां से निरंतर मांग की जा रही थी, जिस पर सतीश पूनिया ने संवेदनशीलता एवं अपने संकल्प का परिचय देते हुये राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी से आग्रह किया, जो पूरे प्रदेश में सांसद कोष स्वीकृत कर सकते हैं। घनश्याम तिवाड़ी ने सतीश पूनिया की अनुशंसा पर उक्त 21 लाख रुपये बागव ऋषि भवन,गोनेर के लिये स्वीकृत कर दिये हैं।

राम की शरण में खाचरियावास

राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने विधानसभा क्षेत्र में ऐसे होर्डिंग और पोस्टर लगवाए हैं, जिनमें ''जय सियाराम'' लिखा हुआ है। साथ ही खुद का नाम और पद लिखा गया है। इसके अलावा ना तो इसमें कांग्रेस का चुनाव चिन्ह है, ना कांग्रेस का झंडा है। ऐसे में जयपुर में यह चर्चाएं भी सुनी जा रही है, कि क्या मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का कहीं कांग्रेस से मोह भंग तो नहीं हो गया है?

पीपलखूंट की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली : राजेंद्र राठौड़

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस के जंगलराज में महिलाओं और बेटियों पर अत्याचार चरम पर है। प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट में छेड़खानी से परेशान 2 स्कूली छात्राओं द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। यह घटना प्रदेश की लचर-कानून व्यवस्था पर भी सवालिया निशान है।

राठौड़ ने कहा कि गृह विभाग के मुखिया के रूप में विफल हो चुके अशोक गहलोत के राज में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी धौलपुर जिले में चार युवकों द्वारा स्कूल से घर लौट रही कक्षा 9वीं की छात्रा से रास्ते में छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया गया था, जिससे आहत और परेशान होकर छात्रा ने घर पहुंचकर आत्महत्या कर ली थी। यही नहीं, डूंगरपुर जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र में 10वी कक्षा में पढ़ने वाली 15 साल की नाबालिग गैंगरेप पीड़िता ने घटना से आहत होकर आत्महत्या का प्रयास किया और हनुमानगढ़ में इंसाफ नहीं मिलने के बाद रेप पीड़िता ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली थी। राठौड़ ने कहा कि यह सभी घटनाएं अपराधियों की शरणस्थली बन चुके प्रदेश में महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के तमाम दावों की पोल खोल रही हैं। राजस्थान पुलिस मासिक प्रतिवेदन के अनुसार महिला अत्याचार के 38 हजार 936 प्रकरण वर्ष 2023 के जून माह तक दर्ज हुए हैं। जिसमें छेड़छाड़ के 13 हजार 455 मामले दर्ज हुए थे। आज प्रदेश बेखौफ अपराधियों के कारण बहन-बेटियों को आत्म हत्या करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

प्रताड़ना से त्रस्त होकर आत्महत्या करने को मजबूर बालिकाएं : डॉ. अल्का सिंह

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर ने प्रदेश में लगातार बढ़ते महिला अपराधों को लेकर प्रेसवार्ता को संबोधित किया।इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने कहा कि राजस्थान में नाबालिग बच्चियां दुष्कर्म व प्रताड़ना से त्रस्त होकर सिसकियां भर रही हैं और आत्महत्या करने पर मजबूर हैं।

बढ़ती महिला अपराध की घटनाओं के बावजूद प्रदेष की गूंगी बहरी महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही, अब इस महाभ्रष्ट और आततायी कांग्रेस सरकार की विदाई तय हो चुकी है। हाल ही में प्रतापगढ़ जिले में दो आदिवासी नाबालिग बालिकाओं ने छेड़खानी व प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। भरतपुर में टिफिन देने गई नाबालिग के साथ बंद कमरे में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया, हैरानी की बात यह है कि इस मामले में एफआईआर तक दर्ज नहीं होने दी। इसके बाद प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार पर पैसे देकर राजीनामा करने का दबाव बनाया। राजस्थान को मर्दों का प्रदेश बताने वाले मंत्री शांति धारीवाल के क्षेत्र कोटा में एक महिला का गला रेत कर हत्या कर दी गई। प्रदेश के किसी भी कोने में महिला, बच्चियां सुरक्षित नहीं है।

सड़क, खेत, स्कूल, चिकित्सा स्थल, एंबुलेंस यहां तक पुलिस थानों जैसी जगह पर भी महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ हो रही है, और रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीती की है, और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा है।

जयपुर में दो आर. ओ. बी. और दो अंडरपास बनेंगे

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा के प्रयासों से जयपुर-सवाई माधोपुर लाइन पर रामपुरा एवं शिकारपुरा में 88.94 करोड़ की लागत से दो आरओबी बनेंगे।साथ ही 9.98 करोड़ की लागत से खातीपुरा-कानोता स्टेशन के मध्य लेवल क्रॉसिंग 209 व 210 पर अंडरपास बनाये जाएंगे। दो लेन का आरओबी लेवल क्रॉसिंग नंबर 78 रामपुरा फाटक पर 41.74 करोड़ की लागत से बनेगा।

दूसरा आरओबी लेवल क्रॉसिंग न. 73 शिकारपुर में 47.20 करोड़ की लागत से बनेगा। क्षेत्र वासियों की काफी लंबे समय से आरओबी बनाने की मांग थी। आरओबी ना होने से दोनों ही क्रॉसिंग पर घंटों जाम लगा रहता था।